मैथिली (सामि.)

बी० ए० (Sub) पार्ट-II

बसंत कुमार
अतिथि शिक्षक
दिनांक - 24.07.2021

प्रकरण - मिथिलानाटक

मिथिला देश मध्य रहनिहार जनताक अधिकांश मैथिल ब्राह्मण, कयस्थक चरित्रकेँ देखि-बुझि ई मिथिला नाटक आलस्य, द्वेष, ईर्ष्यादि रोगसँ ग्रस्त लोकनिक हेतु महौषधि बनओलनि अछि।

नाटककारकेँ आशा छनि जे एहि प्रकारक नाटककेँ प्रकाशित कराक' प्रचार पूर्ण रूपेँ हो त' उक्त रोगक प्रहारसँ मिथिलाकेँ बचाओल जा' सकैत अछि।

श्रीपति पद पङ्कज कर जुड़सौँ
सेबइत मन बच यौने।
नैहर-नेह-निरत तसु अवनति गति
बुझि शोक समैने ॥
पतिहि प्रबोध चाह चित जागृत
लखिताहे पुलक पुनिता।
सकल कामना-सिद्धि करथु से
रामचन्द्र सह सीता ॥